International Journal of Hindi Research
ISSN: 2455-2232
Impact Factor: RJIF 5.22
www.hindijournal.com
Volume 4; Issue 6; November 2018; Page No. 36-39

'छत पर वह कमरा' नामक उपन्यास में प्रमुख पात्र रस्टी का जीवन संघर्ष एवं भावनात्मक प्रेम का अध्ययन

रेनू
अतिथि शिक्षिका, राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विद्यालय, तुगलकाबाद विस्तार, नई दिल्ली, भारत।

सारांश
प्रस्तुत उपन्यास में उपन्यासकार ने रस्टी नामक पात्र का बड़े ही रोचक ढंग से वर्णन किया है। रस्टी का जीवन शुरूवात में बड़ा ही संघर्ष भरा रहता है। उसको अपने अभिभावक द्वारा सारी सुविधाएं दी जाती हैं लेकिन कभी उसे प्यार नही मिलता है। जब वह अपने भारतीय दोस्तों से मिलता है तो उसे बहुत खुशी मिलती है। उसे स्वतंत्रता का बोध होता है। वह शिक्षक बनता है और मीना से प्यार करता है। मीना की मृत्यु के बाद वह बहुत निराश हो जाता है। उसके सभी दोस्त देहरा से बाहर चले जाते हैं। किशन भी अपने रिश्तेदार के पास चला जाता है। वह भी इंग्लैण्ड जाने का निश्चय करता है लेकिन किशन से भावनात्मक लगाव इतना अधिक हो जाता है कि वह उसके साथ भारत में ही रहना पसन्द करता है।

मूल शब्द : देहरा, रस्टी, मि. हैरिसन, मिशनरी की पत्नी, सोमी, किशन, रनबीर, सूरी, मीना, मि. कपूर, बाजार, भावनात्मक प्रेम।

प्रस्तावना
रस्किन बॉण्ड द्वारा लिखित उपन्यास 'छत पर वह कमरा' बहुत ही विख्यात है। संथा रामा राव, न्यूयार्क टाइम्स बुक रिव्यू के अनुसार ' यह पुस्तक भारतीय बाजार की तरह खुशबुओं, दृश्यों, आवाजों, मानसिक उथल–पुथल और सामान्य भारतीय जीवन की सूक्ष्म बनावट से भरी है।' इस उपन्यास में यह बताया गया है कि देहरा के यूरोपीय समुदाय से जुड़े सोलह वर्षीय अनाथ रस्टी को उसके पिता के दूर के भाई ने पाला था। उन्होंने उसे अच्छे स्कूल में पढ़ाया पर कभी अपनापन नही दिया। जब भी रस्टी कोई छोटी से छोटी गलती करता, उसकी पिटाई की जाती थी। इसके बावजूद भी रस्टी अपने चाचा का एहसान मानता था।

एक दिन रस्टी सड़क पर चलते हुए अपने घर की ओर जा रहा था। रास्ते में एक सिख लड़के सोमी ने उससे पहचान बनाई और उसे अपने साईकिल पर बैठने को कहता है। रास्ते में मिलने वाले और लड़कों रनबीर एवं किशन से मिलवाया और अलग होते समय फिर मिलने का वादा किया। हँसमुख सोमी तथा अन्य अपनी उम्र के लड़कों से यह परिचय रस्टी के जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन लाता है। रस्टी के चाचा जब घर पर नही होते थे तो वह उनकी आज्ञा भूलाकर नए दोस्तों के साथ वर्जित बाजार और चाट की दुकान पर चला जाता था।

होली का त्योहार आता है और रस्टी अपने दोस्तों के साथ खुब मस्ती करता है। इसके बाद उसके रंगे हुए रूप से क्रुद्ध चाचा घृणापूर्वक पिटाई करते हुए उसके जन्म का रहस्य बताते हैं। रस्टी को भी गुस्सा आ जाता है और अपने चाचा को पिटकर घर से भाग जाता है। रातभर वह भटकता है। सुबह उसकी मुलाकात सोमी से होती है। वह रस्टी को अपने घर ले जाता है। जहाँ पर वह निश्चिंत होकर सोता है। नौकरी की तलाश में वह किशन के परिवार से जुड़ता है जहाँ अपने से बड़ी मीना के प्रति आकर्षित होता है। मीना की असमय मृत्यु हो जाती है। इसके बाद वह पूरी तरह टूट जाता है। रनबीर और सोमी भी पढ़ने के लिए बाहर चले जाते हैं। रस्टी भी इंग्लैण्ड जाने का निश्चय करता है लेकिन किशन की हालत देखकर वह उसके साथ भारत में ही रह जाता है।

रस्टी का अपने दोस्तों से मिलना
उपन्यासकार ने वसन्त ऋतु का बड़े ही मनोहर वर्णन करते हुए प्रकृति की सुन्दर जंगल और घाटी के बीच से निकलती हुई देहरा जाने वाली सड़क पर चलते हुए एक लड़के के बारे में वर्णन किया है। लड़का अपने घर की तरफ जा रहा था। रास्ते में उसे एक साइकल सवार सोमी मिलता है और उसे अपनी साइकल पर बैठने को कहता है। लड़का साइकल पर बैठने से मना कर देता है। सोमी उस लड़के की मदद करने को दृढ़ संकल्प था क्योंकि बारिश हो रही थी। लड़का सोमी के सामने साइकल के डण्डे पर बैठ जाता है और वे चल दिए। रास्ते में वे बात करते हुए जाते हैं तभी उन्हें रनबीर मिल जाता है। वह सोमी के पीछे साइकल के करियर पर बैठ जाता है। रनबीर और सोमी दोनों पंजाबी में बात करने लगते हैं। इसके बाद वह लड़का अकेलापन महसूस करने लगता है। जैसे ही वे आगे बढ़ते है रास्ते में उन्हें सूरी मिलता है। सूरी आगे वाले डंडे पर बैठ जाता है इससे सोमी को सड़क देखने में कठिनाई होने के कारण साइकल डगमगाने लगती है फिर भी सोमी संभालते हुए साइकल चलाता है। थोड़ी देर चलने के बाद लड़के ने कहा कि मेरा घर पास में है। मैं अब उतरता हूँ। लड़का साइकल से उतर गया और सोमी को धन्यवाद दिया। सोमी ने लड़के से खाना खाने के लिए कहा लेकिन लड़के ने बताया कि घर पर उसका इंतजार हो रहा है। सोमी ने लड़के से नाम पूछा तो उसने अपना नाम रस्टी बताया। सोमी ने रस्टी को फिर मिलने के लिए कहा और साइकल आगे बढ़ा दी। रस्टी सड़क पर खड़े होकर अकेलापन महसूस करने लगा।

बाहर की दुनिया से रस्टी का परिचय
रस्टी अपने अभिभावक मि. जॉन हैरिसन के साथ रहता था। मि. हैरिसन रस्टी के पिता का रिश्ते का भाई था। एक दिन मि. हैरिसन को दिल्ली जाना होता है। वह पास में रहने वाली मिशनरी की पत्नी को बताया कि उन्हें कुछ काम से दिल्ली जाना है। आप रस्टी का ध्यान रखना। उससे कुछ काम लेना और उसे व्यस्त रखना। मिशनरी की पत्नी ने कहा कि ठीक है मैं उसे व्यस्त रखूँगी। रस्टी जहाँ पर रहता था वहाँ उसकी उम्र का एक जमादार

लड़का था जो बरतन साफ करता था। लेखक ने उस समय की भारतीय समस्याओं का भी वर्णन किया है। रस्टी सोचता है कि 'जमादार लड़के के साथ खेलना स्वास्थ्य के लिए बुरा है। इस पर मिशनरी की पत्नी कहती थी, 'अगर तुम भारतीय भी होते मेरे बच्चे, तो तुम्हे जमादार के लड़के के साथ खेलने नहीं दिया जाता।'

मि. हैरिसन दिल्ली चले गए। रस्टी ने अपने अभिभावक की अनुपस्थिति में खूब मस्ती करने का निश्चय कर लिया। उधर, मिशनरी की पत्नी ने भी रस्टी से अपने बाग में काम करवाने को मन बना लिया था। उन्होंने रस्टी से बाग में काम करने को कहा। रस्टी ने कहा कि मैं सैर के लिए जा रहा था। लौटने के बाद मैं आपकी मदद कर दूँगा। इतना कहकर रस्टी सैर के लिए निकल जाता है। उसके अभिभावक ने उसे बाजार में जाने को वर्जित किया था। इसके बावजूद भी वह सैर करते हुए घण्टाघर पहुँच जाता है। घण्टाघर के दूसरी तरफ बाजार था और बाजार में भारत था। घण्टाघर की दूसरी तरफ जीवन था और तीनों बाजार, भारत और जीवन उसके लिए वर्जित थे। यह बाजार बहुत ही अव्यवस्थित था। रस्टी कुछ घबराते हुए आगे बढ़ता है और उसे सोमी मिल जाता है। सोमी उसे बाजार में चाट की दुकान पर ले जाता है। वहाँ सोमी के साथ रस्टी ने पहली बार टिक्कियां खायी। उसके बाद वह घर वापस आ जाता है।

मिशनरी की पत्नी ने उससे पूछा कि वह कहां गया था ? रस्टी सिर्फ मुस्कुराया और चला गया। रस्टी ने सोमी से मिलने का वादा किया था। अगले दिन वह बाजार पहुँच गया। वह सोमी से मिला। सोमी रस्टी को रनबीर से मिलवाया। रनबीर से रस्टी पहले भी रास्ते में साइकल पर मिल चुका था। इसके बाद सबने मिलकर चाट खाई। अब रस्टी बाजार आकर बाहरी दुनिया में खोता जा रहा था। उसे अपने दोस्तों से मिलकर प्रसन्नता हुई। रस्टी ने भी उन्हें अपने बारे में बताया। रनबीर ने कहा कि कल होली है। तुम मेरे साथ कल होली खेलने आना। रस्टी इससे पहले होली का नाम नही सुना था। होली हिन्दुओं का त्योहार है जिसमें रंग खेलते हैं। रस्टी सोचने लगा और कहा कि यदि उसके अभिभावक कल तक नही आते हैं तो वह होली खेलने आयेगा। रस्टी ने सोमी से पूछा कि वह भी वहाँ आयेगा। सोमी ने बताया कि वह सिख है इसलिए वह होली नही खेलता।

रस्टी वापस घर आकर देखा कि मि. हैरिसन की कार खड़ी थी। वह घबरा गया। वह बरामदे की सीढ़ीयों में जैसे ही गया मि. हैरिसन वही खड़े थे। मि. हैरिसन ने रस्टी से पूछा कि वह कहां गया था ? रस्टी ने उत्तर दिया कि वह बाजार सैर करने गया था। इस पर मि. हैरिसन गुस्सा हो गए और शीशे की आलमारी में रखी लचीली मलैका छड़ी से उसकी पिटाई की। रस्टी दर्द से कराहते हुए अपने कमरे में भाग गया।

रस्टी का अपने अभिभावक के घर से भाग जाना

जैसा कि रस्टी रनबीर से होली के दिन उसके साथ होली खेलने का वादा किया था और उसने कहा था कि यदि उसके अभिभावक दिल्ली से वापस नही आये तो वह आयेगा। इधर, रस्टी के अभिभावक दिल्ली से वापस आ चुके थे और उसकी जमकर पिटाई भी हो गई थी।

रनबीर अपने वादे के अनुसार सुबह रस्टी से घर के पीछे पहुँच कर ढोल बजाई। ढोल की आवाज सुनकर रस्टी जग गया और वह अपने अभिभावक की परवाह किए बिना वह रनबीर के साथ चल दिया। रस्टी रनबीर और उसके दोस्तों के साथ खूब होली खेली। उसके कपड़े रंगो से भिग गए और उसके चेहरे पर भी रंग पुत गया। होली खेलने के बाद वह घर जाता है। मि. हैरिसन उसे पहचान नही पाते हैं। जब रस्टी को उन्होंने पहचाना तो उन्हें गुस्सा आ गया। मि. हैरिसन ने रस्टी की पिटाई की जिससे उसके चेहरे पर बहुत तेज चोट लगी। रस्टी को भी गुस्सा आ गया। वह मि. हैरिसन को उठा कर पटक दिया और उनकी जमकर पिटाई की। मिशनरी की पत्नी के चिल्लाने के बाद वह घर से भाग गया। वह बाजार की तरफ गया। देर रात हो चुकी थी। सभी दुकानें बन्द हो गई थी। एक औरत ने रस्टी को अपने कमरे में बुलाया। रस्टी सोचा कि वह रात यहीं बिताएगा लेकिन औरत ने रस्टी का चुम्बन ले लिया जिससे वह घबराकर वहां से चला गया। वह घण्टाघर के पास घास के मैदान में पड़े बेंच के नीचे गड्ढे में बिताया। सुबह रस्टी घण्टाघर पहुंचा। रस्टी को बाजार में चाट की दुकान याद आयी। लेकिन वहाँ कोई नही था। कुछ देर बाद चाट की दुकान के बाहर उससे सोमी मिला। रस्टी ने सोमी को अपने साथ घटित पूरी बात बताया और वह कहा कि अब वह अपने अभिभावक के घर नही लौटना चाहता है। वह अपने घर से भाग कर आ गया है।

रस्टी को नौकरी मिलना

सोमी रस्टी की पूरी बात सुनी और उसे अपने घर ले गया। रस्टी ने सोमी से पूछा कि क्या उसे नौकरी मिल सकती है ? सोमी ने कहा कि अभी तो घर से भाग कर आये हो तुम अभी इसकी चिन्ता मत करो। सोमी रस्टी को अपने परिवार के बारे में बताता है। सोमी उससे कहता है कि तुम्हे नौकरी भी मिल सकती है। इसके बाद रस्टी सो जाता है। सुबह सोमी ने रस्टी को जगाया और टैंक पर नहाने के लिए ले गया। रस्टी इससे पहले खुले में कभी नही नहाया था। नहाने के बाद रस्टी सोमी के साथ उसके माँ के द्वारा बनाया हुआ खाना खाया। उसे बड़ा मजा आया। सोमी ने रस्टी को बताया कि मैंने तुम्हारे लिए शिक्षक की नौकरी ढूँढ दी है। तुम्हे किशन को अंग्रेजी पढ़ाना हैं और वहां रहने के लिए कमरा भी मिलेगा। रस्टी ने कहा यह तो अच्छा है।

रस्टी किशन के घर जाकर उसके माता–पिता से मिलता है। उसके पिता का नाम मि. कपूर और माता का नाम मीना है। वहां रस्टी को छत पर रहने के लिए एक कमरा मिलता है। रस्टी यहां रहने लगता है और किशन को अंग्रेजी पढ़ाता है। इस तरह से उसे नौकरी मिल जाती है।

रस्टी और मीना का प्यार

जब रस्टी किशन के घर सोमी के साथ नौकरी के लिए जाता है तो उस समय वहाँ एक पार्टी हो रही थी। वहाँ पर मि. कपूर की पत्नी मीना जो उम्र में उससे ज्यादा कम थी वह सभी मेहमानों से मिल रही थी क्योंकि मि. कपूर शराब ज्यादा पीने की वजह से उनके पैर लड़खड़ा रहे थे। रस्टी ने पहली बार जब मीना को देखा तो उसे देखता ही रह गया। जैसा कि रस्टी को छत पर कमरा मिला था और वहां पर पानी, बत्ती व शौचालय नही था। उसे बड़े टैंक से अपने लिए पानी लाना एवं शौचालय के लिए जंगल में जाना पड़ता था। रस्टी अपने अभिभावक के घर में जिस कमरे में रहता था उसकी तुलना में यह बहुत छोटा था। रस्टी मन ही मन मीना से प्रेम करने लगता है। कपूर परिवार के साथ वह बाजार जाकर चाट की दुकान पर टिक्कियां खाता है। एक दिन रस्टी कपूर परिवार के साथ पिकनिक पर जाता है। उसके साथ सोमी, किशन और सूरी तथा उसका कुत्ता प्रिक्लीहिट भी था। सोमी ने कहा कि रस्टी अगर तुम गंधक के झरने में नहाओगे तो तुम्हारे मुंहासे ठीक हो जाएंगे। रस्टी ने कहा कि मेरी तबीयत खराब हो जायेगी। इस पर सोमी ने कहा कि पानी ठण्डा नही है। मि. कपूर कार चला रहे थे। रास्ते में नदी की पाट पार करते समय कार

पानी में फँस गई। सभी ने मिलकर धक्का लगाया और कार पानी से बाहर निकल गई। किशन, सोमी, सूरी और रस्टी पानी में नहाए। दोपहर का भोजन करने के बाद सभी आराम करने लगे। शाम को जब सभी उठे तो फिर से किशन और सोमी पानी में उछलने लगे। सूरी जंगल में चला गया था। मीना भी जंगल की ओर झुरमुट में चली गई। रस्टी उसके पीछे चला गया। वहाँ दोनों ने एक दुसरे का आलिंगन किया और प्यार करने लगे। शाम हो गई थी। मि. कपूर ने कार स्टार्ट कर ली थी। सभी लोग कार में बैठ गए और पिकनिक से वापस घर आ गए। इस तरह से रस्टी मीना से प्रेम करने लगता है।

रस्टी का दिल टूटना

एक दिन रस्टी और उसके अभिभावक मि. हैरिसन किराने की दुकान पर मिले। रस्टी ने उनका अभिवादन किया। रस्टी ने कहा कि मुझे नौकरी मिल गई है। मि. हैरिसन ने कहा कि तुम्हारा मेरे घर में हमेशा स्वागत है। तुम आ सकते हो। तुम्हे मिशनरी की पत्नी भी याद करती है। मि. हैरिसन कार से अपने घर चले गए।

रस्टी वापस मीना के घर आ जाता है। मीना रस्टी से कहती है कि वह उसके बाल काटेगी। रस्टी मीना से कहता है 'मैं तुम्हें खुश करने के लिए कुछ भी कर सकता हूँ। पर सारे मत काट देना।' तुम्हें मुझ पर विश्वास नही है।' '' मैं तुमसे प्यार करती हूँ।'' मीना ने कहा।

मीना रस्टी के बाल काटती है। मीना ने रस्टी से कहा कि मैं मि. कपूर के साथ कुछ हफ्तों के लिए दिल्ली जा रही हूँ और तुम किशन का ख्याल रखना। मीना ने उसे पचहत्तर रूपए दिए। रस्टी को निराशा हुई और उसने पूछा कि तुम कब जा रही हो ? चूँकि मि. कपूर को दिल्ली में एक इण्टरव्यू देना था इसलिए रात में वे जल्दी सो गये। किशन भी जल्दी सो गया। रस्टी मीना के बारे में सोचता रहा। सुबह सूरी रस्टी के कमरे में आया और रस्टी से कहा कि उसने एक निबंध लिखा है उसे ठीक कर दो क्योंकि उस पर स्कूल में नम्बर दिए जाएंगे। रस्टी मना करता है लेकिन सूरी रस्टी से कहता है कि तुम ठीक नही करोगे तो मैं जंगल में मीना के साथ तुम क्या कर रहे थे मैं मि. कपूर को बता दूँगा। रस्टी ने कहा कि मैं कुछ नही छिपाता। मिसेज कपूर और मैं एक दूसरे से प्यार कर रहे थे। रस्टी ने उसका निबंध सही कर दिया। मि. कपूर और मीना दिल्ली जाने के लिए तैयार हो गए थे। मीना ने रस्टी को पैसे दिए और कहा कि किशन का ख्याल रखना। मि. कपूर और मीना दिल्ली के लिए कार से रवाना हो गए। सूरी मसूरी जा रहा है इसलिए अपने दोस्तों को एक पार्टी देता है। जिसमें सभी दोस्त आए। रस्टी और किशन वहाँ पर लेमनेड पीए और क्रीम केक खाए। उसके बाद घर आ गए। रात में बारिश हो रही थी। आंधी तुफान के साथ ओले भी गिर रहे थे। सुबह बारिश बंद हो गई थी। रस्टी को पोस्टमैन की आवाज सुनाई दी। पोस्टमैन ने रस्टी को एक तार दिया। रस्टी ने जब तार को पढ़ा तो उसके होश उड़ गए। रस्टी से किशन ने पूछा कि तुम इतने उदास क्यों हो ? रस्टी ने किशन को बताया कि कार की टक्कर हो गई थी जिसमें मीना का देहांत हो गया। किशन रोने लगता है। रस्टी किशन से कहता है कि अब उसे अपनी आंटी के पास रहने के लिए हरिद्वार जाना पड़ेगा। मीना की मृत्यु के बाद रस्टी का दिल टूट जाता है और वह बहुत निराश हो जाता है।

रस्टी का इंगलैण्ड जाने की योजना बनाना

जैसा कि किशन अपनी मम्मी की मृत्यु के बाद उसे आंटी के पास रहने के लिए जाना पड़ेगा, यह सोचकर घबरा जाता है। वह रस्टी से कहता है कि वह हरिद्वार नही जाना चाहता है। रस्टी किशन से कहता है कि उसे अपने आंटी के पास जाना पड़ेगा क्योंकि उसके पास उतने पैसे भी नही हैं। मैं तुम्हारी देखभाल भी अच्छी तरह नही कर पाऊँगा। मैं तुमसे मिलने जरूर आऊँगा। किशन अपनी आंटी के साथ हरिद्वार चला गया। रस्टी फाटक पर खड़ा था और सोच रहा था, '' मैं अपने कमरे में लौट जाऊँगा, समय आगे बढ़ता जाएगा, घटनाएँ घटती रहेंगी पर यह स्थिति फिर नही होगी। ..तब भी सूर्य और लीची होंगी, दूसरे दोस्त आयेंगे पर मीना नही होगी और न ही किशन, क्योंकि अब हमारे जीवन अलग हो गए हैं... किशन और मैं नदी तक साथ–साथ जाते थे, पर मैं सरकंडों में फँस गया हूँ और वह बहाव में आगे चला गया है, अगर मैं उसे पकड़ भी लूँगा, तो वह वैसा ही नही होगा, वह शायद दुःखपूर्ण होगा.. किशन चला गया, और मेरे जीवन का एक हिस्सा उसके साथ चला गया है, मैं अन्दर से बिल्कुल अकेला हूँ।''

रस्टी से सोमी मिला और उसे बताया कि वह कुछ महीने के लिए अमृतसर जा रहा है और वह बसंत में लौट आएगा। रस्टी निराश हो जाता है क्योंकि उसके सभी दोस्त रनबीर, सूरी, किशन और सोमी देहरा छोड़कर चले जाते हैं। वह अब अकेला पड़ गया। रस्टी ने सोमी से कहा कि जब तुम देहरा छोड़ रहे हो तो मैं भी अब यहाँ नही रह पाऊँगा। मैं भी इंग्लैण्ड चला जाऊँगा। सोमी रस्टी को समझाता है कि तुम्हारे पास न तो पैसे हैं और न ही पासपोर्ट या जन्म प्रमाणपत्र। तुम कैसे जा सकते हो? सोमी अमृतसर चला गया।

रस्टी भी देहरा छोड़ने का निश्चय किया। उसने योजना बनाई कि वह दिल्ली जाएगा और यूनाईटेड किंगडम के राजदूत से मिलेगा, जो उसकी इंग्लैण्ड जाने में अवश्य मदद करेगा। इंग्लैण्ड जाने से पहले वह सोमी को अपनी योजना के बारे में लिखा। वह इंग्लैण्ड जाने से पहले हरिद्वार जाना चाहता था और किशन से भी मिलना चाहता था। रस्टी के पास किशन की आंटी का पता था। सोमी का पत्र रस्टी को मिला जिसमें उसने उसे शुभकामनाएँ भेजी थी। सोमी रस्टी का सबसे प्यारा दोस्त था। वह पत्र रख लिया। रस्टी हरिद्वार जाने के लिए स्टेशन चल दिया। रास्ते में उसे जमादार लड़का मिला जिसने रस्टी के अभिभावक मि. हैरिसन के बारे में बताया कि वह हमेशा के लिए कहीं चले गए। रस्टी अब अपने अभिभावक के घर नही जाना चाहता था। वह स्टेशन जाकर हरिद्वार मेल में बैठ गया। रस्टी हरिद्वार में किशन से मिलकर उसके बाद नई दिल्ली से इंग्लैण्ड जाने की योजना बनाई थी।

रस्टी को भारत में ही रहना पड़ता है

रस्टी दोपहर में ट्रेन से हरिद्वार पहुँच गया। उसने योजना बनाई कि वह किशन की आंटी के घर खाना खाने के बाद आराम करेगा और रात को दिल्ली के लिए ट्रेन पकड़ लेगा। रस्टी किशन की आंटी के घर पहुँचा और दरवाजा खटखटाया। एक औरत दरवाजा खोली और पूछी कि वह कौन है ? रस्टी ने बताया कि वह देहरा से आया है और किशन व मि. कपूर से मिलना चाहता है क्योंकि वह भारत छोड़कर इंग्लैण्ड जा रहा है। मि. कपूर रस्टी से मिलते हैं और बताते हैं कि मीना की मृत्यु के पश्चात् मैंने पुनः शादी कर ली। किशन अब यहाँ नही रहता है। रस्टी ने पूछा कि वह कहां है? मि. कपूर ने बताया कि वह अपनी आंटी के पास लखनऊ में है। इस पर नई मिसेज कपूर ने कहा कि उसे सच क्यों नही बताते। इसमें छिपाने की क्या बात है ? मिसेज कपूर ने बताया कि किशन हरिद्वार में ही कहीं है। वह हमारे पास से भाग गया। लोग बताते हैं कि नदी के दोनों तटों पर वह सबसे बड़ा धूर्त और चोर है। रस्टी ने कहा कि वह मुझे कहां मिलेगा ? इस पर मिसेज कपूर

ने कहा कि उसे नही पता। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। वह औरों के लिए चोरी करता है और वे बदले में उसे पैसा देते हैं। मिसेज कपूर ने रस्टी से खाने एवं आराम करने के लिए कहा लेकिन उसने मना कर दिया। वह नदी की तरफ चला गया। वह नदी में नहाने के बाद सीढ़ीयों पर चढ़ने लगा जहाँ उसकी मुलाकात किशन से हुई। किशन बहुत ही कमजोर हो गया था। किशन ने रस्टी से पूछा कि वह यहाँ क्यों आया है ? रस्टी ने कहा कि वह इंग्लैण्ड जाना चाहता है इसलिए उससे मिलने के लिए आया है। रस्टी बहुत भूखा था। किशन रस्टी के लिए तरबूज लाया और दोनों खाए। रस्टी ने किशन से पूछा कि क्या तुम्हारे पास पैसे हैं ? किशन ने बताया कि केवल उधार लाया हूँ। वह उन्हें फायदा पहुँचाता है और वे उसे उधार देते हैं। किशन ने रस्टी से कहा कि वह इंग्लैण्ड नही जा सकता है। रस्टी कहता है कि वह तुम्हारी तरह डाकू नही बन सकता है और यह काम उसे पसंद भी नही है। इस पर किशन कहता है कि वह गरीबों को नही लूटता है। वह उन्हें लूटता है जिनके पास लूटने के लिए कुछ होता है। किशन रस्टी से कहता है कि हम लोग देहरा में ऐसा नही करेंगे। वह पुलिस से बचने की कोशिश करते–करते थक गया है। किशन रस्टी से कहता है कि तुम अंग्रेजी पढ़ाना और मैं चाट की दुकान लगाऊँगा। रस्टी अब इंग्लैण्ड जाने के बारे में भूल जाता है और किशन से कहता है कि हम लोग देहरा कब जाएंगे ? किशन ने कहा कि कल सुबह। रस्टी और किशन नदी पार करने के लिए नाव पर बैठ गए। एक औरत ने रस्टी से उसके बारे में पूछा। रस्टी कुछ नही बोला। औरत ने रस्टी से पूछा कि किशन उसका कौन है ? रस्टी ने कोई जबाब नही दिया स्वयं अपने से सवाल करने लगा कि किशन उसका कौन था ? रस्टी किशन से बहुत प्यार करता था। उसी बन्धन के कारण रस्टी को वापस लौटना पड़ा। अंत में वह इंग्लैण्ड जाने की योजना छोड़ देता है और किशन के साथ देहरा में छत के ऊपर के कमरे में रहने की योजना बनाया।

किशन हँसता है और कहता है कि रस्टी तुम '' एक दिन बड़े आदमी बनोगे। एक लेखक या एक अभिनेता या प्रधानमंत्री या कुछ। शायद एक कवि! कवि क्यों नही रस्टी ?'' रस्टी ने मुस्कुराते हुए कहा कि हाँ कवि क्यों नही ? इस तरह से किशन के प्यार में वह भारत से इंग्लैण्ड नही जाता है और देहरा में ही रह जाता है। उपन्यासकार ने इस उपन्यास में यह बताया है कि भावनात्मक रिश्ते, खून के रिश्तों से भी ज्यादा मजबूत हो सकते हैं।

निष्कर्ष

इस उपन्यास में लेखक ने यह बताया है कि यूरोपीय समुदाय का एक लड़का जिसका नाम रस्टी है, उसके अभिभावक जो कि उसके पिता का दूर के रिश्ते का भाई है, ने यूरोपीय ढंग से उसको पालन पोषण किया था। देहरा में यूरोपीयन लोग शहर के बाहर अपना ठिकाना बनाए थे। उनके यहां से बाजार एक मील दूर से शुरू होता था। यह जगह रस्टी के लिए निषिद्ध थी क्योंकि वह जगह गन्दगी से भरी थी। रस्टी की बाजार में रहने वाले कुछ लड़कों से दोस्ती हो गई और वह अपने अभिभावक की अनुपस्थिति में बाजार जाता था। इस पर उसका अभिभावक उसे पिटता है। रस्टी अपने घर से भाग जाता है। वह नौकरी करता है। अपने से उम्र में बड़ी मीना से प्यार करता है। वह किशन को पढ़ाता है। मीना की असमय मृत्यु हो जाती है। रस्टी निराश हो गया। वह इंग्लैण्ड जाने का निश्चय करता है लेकिन किशन के साथ भावनात्मक लगाव के कारण वह इंग्लैण्ड नही जाता है और भारत में ही रहता है।

निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि उपन्यासकार ने इस उपन्यास के माध्यम से यह बताने का प्रयास किया है कि भावनात्मक रिश्ते, खुन के रिश्तों से भी ज्यादा मजबूत हो सकते हैं।

सन्दर्भ सूची

1. छत पर वह कमरा, रस्किन बॉण्ड, आत्माराम एंड संस कश्मीरी गेट, दिल्ली–110006, प्रथम संस्करण 1999, पृष्ठ संख्या 13
2. वही पृष्ठ संख्या–17
3. वही पृष्ठ संख्या–71
4. वही पृष्ठ संख्या–79
5. वही पृष्ठ संख्या–94
6. वही पृष्ठ संख्या–123